पाठ 5

संगति का फल

एक राजा था। वह जंगल में घूमने गया। घूमते–फिरते वह रास्ता भूल गया। वहाँ उसे एक गुफा दिखाई दी। गुफा के पास बरगद का एक पेड़ था, जिस पर एक तोता रहता था। राजा को देखकर वह चिल्लाने लगा– पकड़ो–पकड़ो, मत जाने दो। पकड़ो–पकड़ो, मत जाने दो। तोते की यह बात राजा को अच्छी नहीं लगी। राजा आगे बढ़ गया। तोता कुछ दूर तक राजा के पीछे–पीछे उड़ता रहा।

राजा एक आश्रम में पहुँचा। आश्रम बहुत ही सुंदर था। वहाँ भी उसे एक तोता मिला। राजा को देखकर वह मधुर एवं विनम्र आवाज में बोला– श्रीमान जी, आपका स्वागत है। बैठिए, पानी पीजिए और खाना खाइए। तोते की आवाज सुनकर कुटिया में से एक साधु बाहर आए। राजा ने साधु को प्रणाम किया। साधु ने राजा को आशीर्वाद दिया और आदर सहित बैठाया।

राजा ने साधु से पूछा– महोदय, आज मैंने दो तोते देखे। दोनों का स्वभाव अलग–अलग था। राजा की बात सुनकर साधु मुस्कुराया और बोला – यह संगति का फल है। दोनों तोते सगे भाई हैं। एक का नाम सुग्गा है। दूसरे का नाम फुग्गा है। वे दोनों मेरे पास ही थे। फुग्गा को डाकू ले गए। वह उनके साथ रहता है, उनकी बोली बोलता है। सुग्गा मेरे साथ रहता है। मेरी बोली बोलता है। यह सुनकर राजा बोला– मैं समझ गया, संगति का फल क्या होता हैं?

अभ्यास

1. आइए, शब्दों के अर्थ जानें:

- संगति — साथ
- कुटिया — झोंपड़ी
- प्रणाम — नमस्कार
- मधुर — मीठी
- फल — परिणाम
- मतवाले — मस्त

2. पाठ से:

(क) राजा घूमने के लिए कहाँ गया?

____

(ख) गुफा के पास राजा क्यों नहीं रुका?

____

(ग) किसने, राजा का आदर–सत्कार किया?

____

(घ) इस घटना से राजा ने क्या सीखा?

____

3. आपकी बात:

(क) सुग्गा और फुग्गा में से आपको किसकी बात अच्छी लगी और क्यों ?

(ख) दोनों तोतों में से आप किसके जैसा बनना पसंद करेंगे ?

4. पाठ के आधार पर सही (√) या गलत (×) का निशान लगाएँ:

(क) गुफा के पास बरगद का एक पेड़ था। ☐

(ख) पहला तोता राजा को देखकर मीठी आवाज में बोला। ☐

(ग) साधु ने राजा को प्रणाम किया।

(घ) फुग्गा को डाकू ले गए।

5- lgh ‘kCnk dk p;u djd [kkyh LFkku Hkj&

आशीर्वाद	आश्रम	स्वभाव	अच्छी संगति

(क) ———————— का फल अच्छा होता है।

(ख) चलते–चलते राजा एक ———————— में पहुँचा।

(ग) दोनों तोतों का ———————— अलग–अलग था।

(घ) साधु ने राजा को ———————— दिया।

6- i<] cky vkj fy[k&

आशीर्वाद ————————	श्रीमान ————————
प्रणाम ————————	आश्रम ————————
विनम्र ————————	संगति ————————

7- Hkk"kk dh ckr&

मिलते–जुलते शब्द लिखें–

- चलते–चलते
- ————————
- ————————
- ————————
- ————————
- ————————

8- jx Hkj&

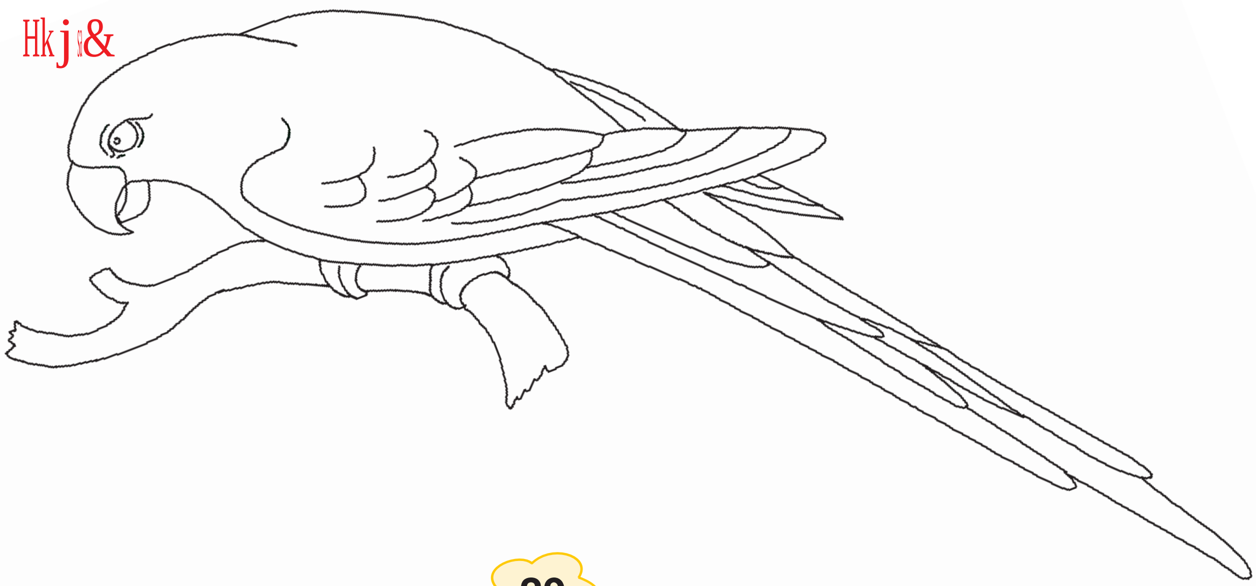

[ky xhr ¼dN vkj i<½

आसमान की लाल परी,
ऊपर से नीचे उतरी।
नए–नए उपहार सजाकर,
सपनों का संसार बसाकर।
खेल–खिलौने और मिठाई,
सबके लिए वह लेकर आई।

vkiu fdruk lh[kk

1- fuEufyf[kr i’uk d mÙkj fn, x, ckDl e fy[k&

- किसकी बोली सबसे मीठी लगती है?

कबूतर	तोता	कोयल	

- डाकिया बाँटता है–

मिठाई	कपड़े	पत्र	

- राजा का आदर करने वाला तोता, किसके साथ रहता था?

साधु के	डाकू के	चोर के	

2- lgh ‘kCn NkVdj ckDl e fy[k&

- अतिथि का अर्थ है–

तारीख	मेहमान	अनजान	

- 'इतराना' का अर्थ है–

तैरना	हँसना	नखरे दिखाना	

- 'संगति' का अर्थ है–

साथ	चाल	गीत	

3- lgh ‘kCn NkVdj fy[kk&

- तितलियाँ	तीतलियाँ	——————————
- घोड़ा	घोडा	——————————
- दहाड़ना	धहाड़ना	——————————
- मीट्टी	मिट्टी	——————————

4- lgh ‘kCn pqudj [kkyh LFkku esa fy[kk&

- बुरी संगति का फल —————————— होता है। (अच्छा/बुरा)
- हमारे भी —————————— होते, तो हम हवा में उड़ते। (पंख/हाथ)
- कुम्हार सुंदर —————————— बनाता है। (कपड़े/घड़े)
- चूहों ने —————————— पर बिल्ली को बुलाया। (बालदिवस/चूहा दिवस)

5- i<+] le>+ vkSj fy[kk&

- एक छाता अनेक ——————————————
- एक लड़का अनेक ——————————————
- एक पुस्तक अनेक ——————————————
- एक पत्ता अनेक ——————————————